

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में देश का 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

विश्वविद्यालय में देश का 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान ने प्रातः 9:00 बजे विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में कुलपति आवास तराई भवन पर ध्वजारोहण किया तदोपरान्त 9:25 बजे गांधी मैदान में भारी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य ध्वजारोहण किया और देश की एकता व बंधुता को बनाये रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है।

कुलपति ने बताया कि सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 5039 छात्र-छात्राओं का पंजीकरण हुआ है। अब तक विश्वविद्यालय में 36 दीक्षांत समारोह आयोजित हो चुके हैं तथा 17 फरवरी को 37वां दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से अब तक 45,284 विद्यार्थी उपाधि प्राप्त कर चुके हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में डा. भीमराव अंबेडकर चेयर की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही प्रौद्योगिक महाविद्यालय में सेमीकंडक्टर लैब की स्थापना की गई है, जो आईआईटी के अतिरिक्त किसी कृषि विश्वविद्यालय में पहली है। इससे विद्यार्थियों को उन्नत प्रशिक्षण एवं बेहतर प्लेसमेंट के अवसर मिलेंगे। पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर्गत किसान चौपाल, प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईवीएफ तकनीक तथा देसी गाय की क्लोनिंग पर कार्य किया जा रहा है, जिससे प्रदेश एवं देश के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। छात्र गतिविधियों पर बोलते हुए कुलपति ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी से ही सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने संसद भवन में आयोजित कार्यक्रमों में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों तथा एनसीसी कैडेट प्रिंस सिंह राणा को स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर बधाई दी। प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि लगभग 1100 विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के लिए आवेदन किया, जिनमें से 666 विद्यार्थियों का 5 से 15 लाख रुपये के पैकेज पर चयन हुआ है। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय और प्लेसमेंट सेल की बड़ी सफलता बताया। कुलपति ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से विश्वविद्यालय की तकनीकों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है तथा मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) और प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में विश्व रैंकिंग में और बेहतर स्थान प्राप्त करेगा तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने एक बार फिर सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए "जय हिंद" के उद्घोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया।

तराई भवन एवं गांधी पार्क के अतिरिक्त विभिन्न शोध केन्द्रों पर उनके प्रभारी अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय फार्म पर मुख्य महाप्रबंधक (फार्म) डा. जयंत सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा अनुभाग में कुलपति इलेवन एवं रजिस्ट्रार इलेवन के मध्य क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें कुलपति इलेवन ने रजिस्ट्रार इलेवन को हराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक आदि उपस्थित थे।



